RNI NO.: UPHIN/2010/32733

ग्राम भारती

कृषि, ग्राम विकास, सहकारिता और पंचायतीराज का पाक्षिक

वर्ष : 11 अंक : 07 लखनऊ, गुरुवार, 16 जुलाई 2020 मूल्य 5 रुपये पृष्ठ : 8

आकाश से आफत:किसान बेहाल

उत्तर प्रदेश में जहां एक ओर कोरोना का कहर जारी है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आकाश से आफत आई हुई है। समूचे प्रदेश में इस समय करोड़ों की संख्या में टिड्डी दल मंडरा रहा है। वहीं दूसरी ओर ओलावृष्टि ने कई किसानों की जान ले ली है।

सीतापुर के ग्रामीण इलाकों में प्रकोप

मिश्रित-सीतापुर(उ.प्र. समाचार सेवा)। कोरोना कहर के चलते जहां एक ओर लॉक डाउन की मार से जनता कराह रही है वहीं टिड्डी दल ने आज यहां तहसील क्षेत्र में धावा बोलकर किसानों का जीना मुहाल कर दिया है जिसकी सूचना पाकर तहसील प्रशासन भी किसानों के साथ मिलकर उसे भगाने की कवायद में जुट गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत कुतुबनगर , इस्लाम नगर,बरमी , फुलरुवा , बढह्या, महसुनिया , वजीरनगर , बीहट गौर , शिवथान , गोपलापुर , सहित आस-पास के दर्जनों गांवो में शनिवार सुबह टिड्डी दलों ने अचानक धावा बोल दिया । लेकिन यहां के किसान पहले से काफी सतर्क और संजीदा थे । जिससे टिड्डी दल के आते ही सभी किसानों नें अपने अपने खेतों में धुंआ और थाली,पीपा पीटकर व ट्रैक्टर एवं मोटर साइकिल का सालेंसर निकाल कर तेज आवाज करने लगे साथ ही तहसील प्रशासन को टिड्डी दल आने की सूचना दी । टिड्डी दल आने की सूचना पाते ही उपजिलाधिकारी राजीव पाण्डेय ने मौके पर पहुंच कर सभी किसानों का सहयोग करते हुए मनोबल बढ़ाने का काम किया और किसानों के साथ स्वयं थाली तेज आवाज में बजाकर टिड्डी दल को भगाने का प्रयास किया । बन खंड शिवथान में रोपित किए गए पौधों को टिड्डी दलों को वन कर्मियों ने थालियां बजाकर भगाकर हजारों की तादात में पौधे बचाने का काम किया। वहीं तहसीलदार ने कुतुब नगर पहुंचकर किसानों को जागरूक करते हुए टिड्डी दलों को खदेड़ना शुरू कर दिया। नायब तहसीलदार , कृषि अधिकारी एवं राजस्व निरीक्षकों ने आनन फानन में प्रभावित गांवों को पहुंच कर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव और किसानों के साथ मिलकर तेज आवाज एवं धुंऐ से भगाने का प्रयास किया । खेतों में हो रहे धुंऐ और तेज आवाज से डर कर टिड्डी आगे निकल गया ।

उत्तर प्रदेश की राजधानी तक पहुंचा में टिड्डी दल

उ.प्र. समाचार सेवा

टिड्डियों का दल उत्तर प्रदेश की राजधानी तक पहुंच गया है। इसके दल राजधानी की सड़कों तथा गली मोहल्लों में दिखायी दे रहे हैं। टिड्डी दल बचाव के लिये नगर के लोग छतों पर चढ़कर थाली, घंटी और अन्य बर्तन बजाकर टिड्डियों को भगा रहे हैं। वहीं उत्तर प्रदेश पुलसि ने अपने बाइक स्क्वायड को सक्रिय किया है। यह वाइकों पर लगे हूटर से तेज आवाज करके टिड्डियों को भगाने का प्रयास कर रहे हैं। लखनऊ जनपद में टिड्डी दल ने बीते गुरुवार को प्रवेश किया। सीतापुर, लखीमपुर., हरदोई, शाहजहापुर होते हुए यह टिड्डी दल जिले की सीमा में प्रवेश कर गया। इसने सबसे ज्यादा नुकसान माल, मलीहाबाद, काकोरी आदि इलाकों में किया है।

एनसीआर से पश्चिम उत्तर प्रदेश होकर आई टिड्डियां

टिड्डियों का दल उत्तर प्रदेश में एनसीआर के रास्ते आया है। एक सप्ताह में इसने पश्चिम यूपी के मेरठ, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, रामपुर, पीलीभीत, बदायुं, शाहजहांपुर होते हुए मध्य उत्तर प्रदेश में प्रवेश किया। दल आगरा मण्डल के कई जिलों में भी तबाही मचा चुका है। इसके पहले यह हरियाणा, पंजाब के किसानों के सामने भी समस्या खड़ी कर चुका है। इन राज्यों के किसानों ने कई तरह के उपाय करके इन्हें खदेड़ दिया। इसके बाद इस दल ने उत्तर प्रदेश का रुख किया है। जबकि यह दल पहले मध्य प्रदेश और राजस्थान में पहुंचा था।

मैनपुरी में किसानों की फसल व पेड़ों को पहुंचाया नुकसान

मैनपुरी। किशनी तहसील क्षेत्र में में फसलों के लिये घातक टिड्डी दल ने दोबारा हमला बोल दिया। दो सप्ताह बाद शनिवार को भी टिड्डी दल ने फसलों को बर्बाद किया। पूरे दिन क्षेत्र में टिड्डी से बचाव के लिये किसान खेतों पर जमे रहे।जिला कृषि अधिकारी ने रठेह पहुंचकर नुकसान का स्थलीय निरीक्षण किया।दो सप्ताह पूर्व 28 जून को टिड्डी दल ने जिले में धावा बोल दिया था। टिड्डी दल ने किशनी क्षेत्र के ज्यादातर गांवों में फसल को बर्बाद किया था। किसानों ने परिवार सहित खेतों पर तेज ध्वनि कर टिड्डियों को किसी तरह भगाया था। दो दिन तक टिड्डियों ने क्षेत्र के कई गांव में अपना कहर बरपाया था। शनिवार को एक बार फिर टिड्डी दल ने भारी संख्या में रठेह ग्राम सभा में फसल पर हमला कर दिया। क्षेत्र के गांव रठेह,भैंसापुर डबाह,नगला महुआ,कत्तरा,मकोया,सींगपुर,ऊमराहार सहित कई गांव में टिड्डी दल की दस्तक पर ग्रामीण थाली बजाकर भगाने में जुट गए। किसानों ने किसी तरह तेज ध्वनि कर टिड्डियों को भगाने की कोशिश की।मामले की सूचना एसडीएम रामशकल मौर्य व जिला कृषि अधिकारी गगनदीप सिंह को दी गयी। जिस पर जिला कृषि अधिकारी गगनदीप सिंह तत्काल रठेह पहुंचे। उन्होंने किसानों से नुकसान की जानकारी ली। भाकियू भानु गुट के युवा जिलाध्यक्ष शिवाकांत दुबे ने बताया कि टिड्डियों ने इस समय खेतों में खड़ी मक्के,धान और ढेंचा की सह्यकड़ों बीघा फसल को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की है। जिला कृषि अधिकारी गगनदीप सिंह ने किसानों को समझाया कि टिड्डियों को भगाने में तेज ध्वनि ही सबसे कारगर उपाय हैं।

सम्पादकीय

गन्ना मूल्य बनाम चीनी

जनपद बिजनौर के लगभग चार लाख गन्ना किसानों का जनपद की नौ चीनी मिलों पर करोड़ों रुपया बकाया है। गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं होने की स्थिति में जहां किसान नकद पैसे के लिए परेशान हैं, वहीं किसान मिलों से चीनी लेने के सरकारी आदेशो में किसान रुचि नहीं दिखा रहे हैं। किसानों का कहना है कि उन्हें गन्ने का नकद पेमेंट चाहिए ना कि चीनी चाहिए। जनपद के लगभग साढ़े तीन लाख किसानों ने चीनी मिलों से अपने गन्ने के पेमेंट के बदले लगभग पंद्रह हजार क्विंटल चीनी ही खरीदी है। जिले के गन्ना किसानों को भुगतान के बदले गन्ना भुगतान को कम करने के उद्देश्य से शासन द्वारा चीनी मिलों को गन्ना किसानों को एक क्विंटल चीनी प्रतिमाह देने के निर्देश दिए गए थे। अप्रैल माह में जारी किए गए यह आदेश तीस जून तक प्रतिमाह एक कुंतल चीनी देने का था। किसानों ने चीनी मिलों से चीनी खरीदने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई। जिसके सापेक्ष लगभग साढ़े तीन लाख किसानों ने अप्रैल माह से अब तक मात्र पंद्रह हजार कुंतल चीनी ही चीनी मिलों से उठाई है। जिससे साफ जाहिर है कि जिले का किसान गन्ना भुगतान के बदले चीनी नहीं लेना चाहता है। जबकि कई चीनी मिल शासनादेशों के बावजूद किसानों को चीनी नहीं दे रहे हैं। इन चीनी मिलों को जिला गन्ना अधिकारी द्वारा नोटिस भी जारी किए जा रहे हैं। किसानों को मिलों से चीनी लेने की अवधि को भी शासन द्वारा 15 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। जनपद के किसानों का करोड़ों रुपए का गन्ना भुगतान अभी भी लटका हुआ है और चीनी मिलों के गोदामों में चीनी भरी हुई है। चीनी को गोदामों से निकालने एवं किसानों के गन्ना भुगतान को कम करने के लिए शासन द्वारा चीनी मिलों द्वारा किसानों को एक कुंतल चीनी प्रतिमाह देने के निर्देश जारी किए गए थे। जिला गन्ना अधिकारी यशपाल सिंह का कहना है कि किसानों को जरूरत के हिसाब से चीनी दी जा रही है और जो मिल चीनी देने में आनाकानी कर रहे हैं उनको नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

आशा बहुओं की दबंगता तोड़ रही कोरोना प्रोटोकाल

आलोक कुमार वाजपेयी

सीतापुर के डफरिन अस्पताल में कोरोना की रोकथाम को लेकर हुई सख्ती से सबसे अधिक परेशानी आशा बहुओं को हो रही है। ये वे आशा बहुए हैं जिनका कथित आमदनी का जरिया प्रसव कराना बताया जा रहा है। इस प्रकार की चर्चाएं की जा रही है हालांकि अब मामला पुलिस के संज्ञान में पहुंचा है तो पुलिस मामले की जांच करके हकीकत का पता लगा ही ले लेगी । लेकिन सत्य यह भी बताया जा रहा है कि पिछले काफी दिनों से डफरिन की आशा बहुएं चर्चाओं के दौर गुजरती रही हैं। गौरतलब यह भी है कि कोरोना संक्रमण के फैलाव रोकने के लिए डफरिन में एंट्री बंद होने से आशा परेशान हैं। आए दिन इसको लेकर विवाद हो रहे हैं। कुछ दिन पूर्व महिला पुलिसकर्मी से प्रवेश को लेकर हुई धक्का-मुक्की के बाद गुरुवार को एक बार फिर भीतर दाखिल होने की इजाजत नहीं मिलने से गुस्साई आशा ने पुलिस बुला ली। मौके पर पहुंची यूपी-112 की पुलिस टीम ने पूरे मामले को समझने के बाद आशा को शांत कराया और चली गई। दरअसल, प्रसूताओं को

कोरोना संक्रमण का फैलाव रोकने के लिए डफरिन में एंट्री बंद होने से आशा परेशान हैं आए दिन इसको लेकर विवाद हो रहे हैं कुछ दिन पूर्व महिला पुलिसकर्मी से प्रवेश को लेकर हुई धक्का-मुक्की के बाद गुरुवार को एक बार फिर भीतर दाखिल होने की इजाजत नहीं मिलने से गुस्साई आशा ने पुलिस बुला ली।

लेकर डफरिन आने वाली आशा के प्रवेश पर कोरोना संक्रमण के मद्देनजर सीएमएस डॉ. सुषमा कर्णवाल ने रोक लगा रखी है। नाम दर्ज कराने के लिए गेट पर रजिस्टर रखवाया गया है, लेकिन इसके बाद भी आशा जबरन अस्पताल में दाखिल होने की कोशिश करती हैं। कुछ दिन पहले ही एक आशा का महिला पुलिसकर्मी से एंट्री को लेकर ही विवाद हो गया था। गुरुवार को भी विवाद होते-होते बचा। बताया जाता है कि एक आशा किसी मरीज को लेकर अस्पताल में घुस रही थी। गेट पर तैनात गार्ड ने जाने से मना किया, इस पर आशा भड़क उठी। उसने यूपी-112 पर कॉल कर दी। कुछ देर बाद पुलिस आ गई। सूचना पाकर सीएमएस डॉ. सुषमा कर्णवाल को भी गेट पर आना पड़ा। पुलिसकर्मियों को सीएमएस ने पूरी बात बताकर अस्पताल में एंट्री पर रोक होना बताया। इसके बाद पुलिसकर्मी आशा को शांत कराकर मौके से चले गये। इस दौरान काफी देर तक गेट पर अफरातफरी का माहौल बना रहा। जिला महिला अस्पताल की सीएमएस डॉ. सुषमा कर्णवाल ने बताया कि अस्पताल में एंट्री नहीं मिलने से आशा ने कॉल कर यूपी-112 की पुलिस टीम बुला ली थी। पुलिसकर्मी मामला जानने के बाद चले गए थे।

ग्राम भारती पाठक मंच

स्वामित्व योजना पर गंभीर नहीं राजस्व अधिकारी

बिजनौर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा केंद्र सरकार के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी व निजी संपत्तियों पर अवैध कब्जा धारकों से कब्जे हटाकर उन्हें राजस्व अभिलेखों में दर्ज करने वाली महत्वपूर्ण *स्वामित्व योजना* को जनपद बिजनौर का राजस्व विभाग हल्के में ले कर लीपापोती करने में लगा हुआ है। जनपद बिजनौर के अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में अपने घरों के अगल-बगल की ग्राम समाज की जमीन पर अवैध कब्जा कर अपनी पैतृक संपत्ति की तरह उपयोग कर रहे ग्रामीणों का कब्जा बरकरार है। वहीं जनपद बिजनौर में ग्राम समाज के अधिकांश तालाबों, खलिहानों व सार्वजनिक उपयोग की अन्य जमीनों पर भी अवैध कब्जेदारों ने स्थाई कब्जा कर लिया है। जनपद बिजनौर के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में देखने में आया है कि अधिकांश ग्रामीणों द्वारा अपने मकान के अगल-बगल में पड़ी ग्राम समाज, खलिहान, सड़क, तालाब, नाले

गांव के तालाबों, ग्राम समाज की जमीनों पर हैं अवैध कब्जे, बने हैं पक्के भवन

व सार्वजनिक उपयोग की अन्य जमीनों को अपनी निजी संपत्ति की तरह कब्जा करके उसको उपयोग में ले रहे हैं। हालात यहां तक हैं कि दशकों पुराने तालाबों को पाटकर अवैध कब्जे कर लिए गए हैं। और अधिकांश जगह स्थाई या अस्थाई निर्माण भी कर लिए गए हैं। जो कागजों में अब भी सार्वजनिक भूखंड व तालाब हैं। लेकिन मौके पर ऐसी जमीनों का कहीं अता पता नहीं है। इस तरह के तमाम भूमि विवाद भी विभिन्न अदालतों में विचाराधीन हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा केंद्र सरकार के सहयोग से प्रदेश में लागू की गई अति महत्वपूर्ण *स्वामित्व योजना* के तहत ग्रामीण आबादी के अंतर्गत सरकारी व निजी परिसंपत्तियों को अलग-अलग चिन्हित कर डिजिटल अभिलेख तैयार किया जाएगा, और ग्रामीणों को इसका प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। इससे वे अपने मकान एवं आबादी के भूखंड पर बैंकों से ऋण भी ले सकते हैं। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई से आबादी के बीच व अगल बगल में पडने वाली ग्राम समाज की जमीनों पर से भी अवैध कब्जे हट सकेंगे। और ऐसी जमीनों का चिन्हाकंन भी हो सकेगा।

पुखराज सिंह मलिक, बिजनौर

गोशाला की उपेक्षा पर सीतापुर के विधायक ने नाराजगी जताई

रामपुर मथुरा के अंतर्गत ग्राम पंचायत देशी लौकिया में गौशाला है। जिसमें बृहस्पतिवार के दिन विधायक ज्ञान तिवारी ने निरीक्षण किया निरीक्षण में गायों की देखरेख व चारा पानी व अव्यवस्था को लेकर सेउता विधायक भड़क गए और मौजूद खंड विकास अधिकारी व डॉक्टर को कड़ी फटकार लगाई और कहा गाय की सेवा नारायण ने की है और हिंदू धर्म में गाय की पूजा होती है जो जानवरों के साथ दुर्व्यवहार करेगा उसको ईश्वर माफ नहीं करेगा ऐसे में जानवरों के साथ कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी अगर किसी भी अधिकारी के द्वारा गौशाला के प्रति कोई भी अनियमितता बरती जाती है तो वह अधिकारी जिम्मेदार होगा सोशल मीडिया पर बुधवार के दिन कई गाय मरने की सूचना मिल रही थी तथा देशी लौकिया के ही समाज सेवक राजकुमार ने गायों की देखरेख की अव्यवस्था को लेकर मुझे फोन भी किया था जिससे मुझे गौशाला तक आना पड़ा अगर दोबारा गौशाला के संबंध में कोई भी अनियमितता की शिकायत मिलती है तो उसके विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कराया जाएगा वहीं खंड विकास अधिकारी रामपुर मथुरा को निर्देशित किया की क्षेत्र में बने गौशालाओं के प्रति एक समिति बनाई जाए जिसमें मुझे भी संरक्षक के तौर पर रखा जाए, जिसमें चंदा लगाकर जानवरों की देखरेख वह भूसा चारा की व्यवस्था हो सके वही पशु चिकित्सा अधिकारी राकेश मलिक को पशुओं की देखरेख बीमार पशुओं का इलाज करने के लिए भी हिदायत दी। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी अशोक कुमार चौरसिया एडीओ पंचायत संजय सिंह एडीओ आईएसबी अशोक कुमार त्रिवेदी जेई कमलेश मौर्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ राकेश मलिक भाजपा जिला पत्नी लक्ष्मी मौर्य प्रधान जगदंबा सहाय जमुना कोठवल सहित काफी लोग मौजूद रहे।

यूपी 112 की सेवाओं का विस्तार किया गया

लखनऊः 12 जुलाई, 2020 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आम जनता को आकस्मिकता की स्थिति में पुलिस विभाग की सेवाओं की त्वरित गति से उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यू0पी0-112 सेवा को और अधिक सुदृढ़ एवं सशक्त बनाया गया है।

अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री जी के निदेर्षों के क्रम में यू0पी0 112 की सेवाओं को और अधिक विस्तार दिया गया हह्य। इसके लिए जहां एक ओर यू0पी0 112 को अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार आपात सेवा के रुप में संचालित करने की दिषा में गम्भीरता से प्रयास किये गये है।

वहीं इसके माध्यम से वर्तमान सेवा के अलावा फायर सर्विस, जीआरपी, 108 एम्बुलेन्स सेवा व 1090 वीमेन पावर लाइन जह्यासी सेवाओं की भी उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने की व्यवस्था की गई है।

अपर पुलिस महानिदेषक, यू0पी0 112, श्री असीम अरुण ने बताया कि यू0पी0 112 के माध्यम से दी जा रही सेवाओं की सराहना का दायरा जहां एक ओर दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है वहीं इसकी ख्याति विदेषों तक भी जा पहुंची है। इसका उदाहरण है दुबई पुलिस द्वारा गत वर्ष सम्पन्न अन्तर्राष्ट्रीय कॉल सेन्टर प्रतियोगिता में यू0पी0 112 को तृतीय पुरुस्कार मिला, जिसमें विष्व भर के कई देषों की पुलिस द्वारा हिस्सा लिया गया था। यू0पी0 112 की सेवाएं जहां पहले सामान्य घटनाओं व आपातकालीन सूचनाओं पर कार्य करती थी वहीं अब इसके माध्यम से आग लगने पर भी शीघ्र मदद पहुँचाने हेतु अग्निषमन विभाग से भी जोड़ दिया गया है। ट्रेनो में राजकीय रेलवे पुलिस की सहायता प्राप्त करने हेतु भी इस नम्बर का प्रयोग अब किया जा सकेगा। किसी भी आकास्मिक आपदा के समय राज्य आपदा मोचक बल से मदद पाने के लिए भी उससे जोड़ा गया हह्य। महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरूस्त बनाये जाने के लिए इसको वीमेन पावर लाइन (1090) से जोड़ा गया है साथ ही इसको पिंक बस सेवा से भी इंटीग्रेटेड किये जाने की व्यवस्था की गई है। श्री अरूण ने यह भी बताया कि 26 अक्टूबर, 2019 से अब तक कुल 44,68,451 कॉल्स मदद के लिए यू0पी0 डायल 112 पर की गयी है, जिस पर त्वरित कार्यवाही हेतु सम्बन्धित ईकाईयों यथा अग्निषमन-34,652, जी0आर0पी0-8,917, मेडिकल-5,47,875, पुलिस-38,66,572 एवं यू0पी0एस0आर0टी0सी0-10,435 कॉल्स को मदद हेतु स्थानान्तरित किया गया। महिलाओं को भय मुक्त वातावरण देने के लिए राज्य सरकार के निर्देष पर यू0पी0 112 द्वारा रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक महिला स्कार्ट की सुविधा शुरू की गई जिसके अन्तर्गत अकेली महिला को सुरक्षित उसके गन्तव्य तक पहुँचाने में पीआरवी की मदद ली गई है। वर्तमान समय में 10 प्रतिषत पुलिस रिस्पान्स व्हीकल को महिला पीआरवी के रुप में लगाया गया है। लॉक डाउन के दौरान लगभग 100 महिलाओं को आपात स्थिति में गन्तव्य तक पहुँचाया गया।

घरेलू हिंसा की षिकार महिलाओं के लिए यू0पी0 112 की ओर से विषेष व्यवस्था शुरू की गई हह्य जिसके तहत पीड़ित महिलाओं की षिकायत पर उनका पंजीकरण भी शुरू किया गया हह्य। इस वर्ष 8 मार्च से शुरू हुई इस योजना में 2119 महिलाओं ने स्वयं यू0पी0 112 को कॉल कर व 1577 महिलाओं के घर जाकर महिला पीआरवी द्वारा विस्तार से पंजीकरण किया गया हह्य। ताकि किसी भी समय इनके द्वारा षिकायत मिलने पर त्वरित कार्यवाही सुनिष्चित की जा सके। सीनियर सिटीजन व वृद्ध जनों की मदद के लिए यू0पी0 112 की तरफ से सवेरा नामक योजना शुरू की गई हह्य जिसके तहत 7 लाख 30 हजार से अधिक बुजुर्गो का पंजीकरण कर इनके लिए एक अलग से डेस्क यू0पी0 112 में बनाई गई है। उन्होंने बताया कि कोई भी जरुरतमंद बुजुर्ग काल कर अपना पंजीकरण करा सकते हह्य। ऐसे बुजुर्ग जब काल करते है तो उन्हें न्यूनतम समय में मदद का प्रयास किया जाता है।

हैल्पलाइन 112 से जोड़ी गई 1090 तथा 108 एम्बुलेंस सेवा
घरेलू हिंसा रोकने के लिए किये गए उपाय
बरिष्ठ नागरिको के लिए व्यवस्था

निर्माण कार्य में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता का शत-प्रतिशत ध्यान रखें:डीएम

अमरोहा। जिलाधिकारी उमेश मिश्र ने विकास कार्यों की समीक्षा की। बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बह्यठक में विभागों की बिंदुवार समीक्षा कर संबंधित अधिकारी को दिशा निर्देश दिए। बह्यठक से नदारद रहे अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब किया। वहीं, अधिशासी अभियंता विद्युत का वेतन रोकने के आदेश दिया। डीएम ने कहा कि शासन की हर योजना का लाभ पात्र को ही मिलना चाहिए। अपात्र सरकार की योजना का लाभ न लेने पाएं। जो निर्माण कार्य चल रहे हह्य उनमें गुणवत्ता एवं पारदर्शिता का शत-प्रतिशत ध्यान रखा जाये। गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कहा कि कोविड-19 के दृष्टिगत बड़ी संख्या में प्रवासी जनपद में आए हह्यं उन्हें काम दिया जाए। मनरेगा में जो भी कार्य हो रहे हह्य उसकी प्रगति की प्रतिदिन वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई जाए और रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई जाए। डीएम ने कलेक्ट्रेट में गठित प्रवासी से अप्रवासी रोजगार सेल की समीक्षा की। परियोजना निदेशक को निर्देशित करते हुए कहा कि कितने स्वयं सहायता समूह गठित हह्यं कितने को काम दिया गया हह्य इसकी पूरी रिपोर्ट उपलब्ध कराये। बोले, रोजगार सृजन कार्य मुख्यमंत्री की प्राथमिकता में हह्य इसे पूरी ईमानदारी व परिश्रम पूर्वक किया जाए किसी भी स्थिति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नवचेतना एग्रो प्रोड्यूसर कम्पनी के डायरेक्टर मुकेश पांडेय बने निर्यातक

मीरजापुर। जिले के चुनार तहसील क्षेत्र के सीखड़ में एपीडा व नाबार्ड द्वारा एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि मंडलायुक्त दीपक कुमार अग्रवाल रहे। कार्यक्रम में एमडीएस मानवीय दृष्टिकोण सेवा संस्थान द्वारा प्रमोटेड नवचेतना कृषि एग्रो सेंटर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड सीखड़ के डायरेक्टर मुकेश कुमार पांडेय को वाराणसी के मंडलायुक्त दीपक कुमार अग्रवाल ने एक्सपोर्ट लाइसेंस देकर सम्मानित किया। नाबार्ड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में चार मंडल में उत्पादक संघ को एक्सपोर्ट लाइसेंस देकर संस्था के निदेशक राही पांडेय, अनुज सिंह, एपी सिंह वाराणसी ने किसानों के उत्पाद को ग्लोबल रिच देने के लिए मंडलायुक्त को धन्यवाद। दिया। इस मौके पर दर्जनो लोग उपस्थित रहे।

बिसवां में उदासीन कार्यशैली से परिषदीय विद्यालयों की व्यवस्था चौपट

बिसवाँ-सीतापुर(उ0प्र0 समाचार सेवा)। कोरोना संक्रमण के चलते १४ मार्च से बन्द चल रहे परिषदीय स्कूलों में इस समय कागजी घोड़े तेज रफ्तार से चलते सहज ही देखे जा सकते हैं। सूचनाओं के नाम पर जहां शिक्षकों की नाक में दम है वहीं अधिकारी पूरी तरह मस्त हैं। स्कूली शिक्षा महानिदेशक का खौफ त्वरित मांगी जा रही सूचनाओं में तो दिखता हैं परन्तु विकास के पहिया अपनी जगह से हिलते भी नजर नहीं आ रहे। आइये बात करते हैं सरकारी फरमान के मुताबिक अब तक पूरे हो जाने वाले कार्यों के बारे में। ग्रीष्मावकाश में ही स्कूलों को ग्राम पंचायत से कायाकल्प होना था। ये आदेश प्रधान की मनमानी की भेंट चढ़ गया अंत में यह आदेश आ गया कि गांव के विकास कार्य के बाद यदि धन बचेगा तब कायाकल्प होगा। वर्ष २०१८ से अंग्रेजी माध्यम विद्यालय चयनित हुए २०१९ में आवेदन लेकर लिखित परीक्षा हुई १ वर्ष बीतने के बाद इन विद्यालयों में नियुक्तियां होना तो दूर उत्तीर्ण शिक्षकों की सूची भी नहीं जारी हो सकी। कान्वेंट स्कूलों से तुलना करने का स्वप्न अब तक अधूरा है,१ वर्ष से अधिक समय से एक ही परिसर में स्थित विद्यालयों के संविलयन का प्रकरण अब भी अधर में है हां कुछ शिक्षक बी ई ओ की राजनीति का शिकार जरूर हुए और उन्हें अपना चार्ज संबिलित स्कूल के शिक्षक को देना पड़ा बी एस ए ने इन विद्यालयों में धन आहरण पर रोक लगाई परंतु सब कुछ हवा हवाई। आन लाइन शिक्षा की यदि बात की जाए तो ये पूरी तरह से असफल रही। प्रारंभ में प्रयास हुए परंतु संगठन के विरोध के बाद केवल स्मार्ट फोन पर ग्रुप बनने तक सीमित रहे।इसमें न शिक्षकों ने रुचि ली और न ही अधिकारियों ने सक्रियता। यह कहा जा सकता स्कूली शिक्षा महा निदेशक का प्रयास सराहनीय है। इ धर बेसिक शिक्षा मंत्री लाक डाउन अवधि का एम डी एम और कनवर्जन कास्ट बच्चों को देने के आदेश दिए थे परन्तु यह महत्वाकांक्षी योजना भी अभी तक परवान नहीं चढ़ सकी। कुल मिलाकर परिषदीय स्कूलों की इसी रवैया के कारण जो छबि बनी है वह सुधारने से रही।

वर्ष २०१८ से अंग्रेजी माध्यम विद्यालय चयनित हुए २०१९ में आवेदन लेकर लिखित परीक्षा हुई १ वर्ष बीतने के बाद इन विद्यालयों में नियुक्तियां होना तो दूर उत्तीर्ण शिक्षकों की सूची भी नहीं जारी हो सकी

पंचशील को भूलें, अब तिब्बत स्वायत्ता के लिए आगे बढ़ें

- भूपत सिंह बिष्ट -

चीन को उसकी कुटिलता और पैंतरों से सबक सिखाने का समय अब आ गया है - अपने जांबाज शहीदों के बलिदान को सकारात्मक सोच में बदला जाये। चीन अधिगृहीत तिब्बत सीमा पर हो रहे बलिदानों को न भूलने के साथ, अब चीन के खिलाफ ठोस कार्रवाई का वक्त है।

हमारा चीन पर अति विश्वास आत्मघाती रहा है। 1954 में जवाहरलाल नेहरु की सरकार ने पंचशील समझौते के तहद चीन के साथ व्यापार और शांति के प्रयास किये थे। 15 मई 1954 को संसद में नेहरु ने चीन के साथ समझौते का प्रस्ताव रखा - जिस में तिब्बत को पक्षकार नहीं बनाया गया था। दूसरे शब्दों में हमने तिब्बत को प्लेट में सजाकर विश्व के सामने चीन के आगे परोस कर रख दिया था। आज हम उस कूटनीतिक विफलता को भी झेल रहे हैं। जून 1954 में चीन के राष्ट्राध्यक्ष चाऊ एन लाई 3 दिन के दौरे पर भारत आये। हिंदी - चीनी, भाई - भाई के नारों में तिब्बत को भुलाकर तब विश्व के सारे मामलों पर चर्चा की गई।

पंचशील समझौता होते ही लाल चीन ने जून 1954 में भारत पर ही आघात कर दिया और सबसे पहले आज के उत्तराखंड के नीति पास और बाड़ाहाती में चीन ने अपने पांव पसारने शुरु किये। जियो और जीने दो का नारा लाल चीन ने तब खोखला बना दिया था। हर बार चीन की सेना भारतीय सेना पर घुसपैठ का आरोप लगाकर नियंत्रण रेखा को अपने पक्ष में कुछ किमी में हड़प लेती है। 1947 से पहले अंग्रेजों ने चीन के विस्तारवादी रवैये पर अंकुश रखने के लिए तिब्बत और नेपाल के साथ अपनी कूटनीतिक व सैन्य तैयारियां हमेशा चुस्त - दुरूस्त रखी थीं और आज भी हम लोकतंत्र विरोधी चीन के खिलाफ इंग्लैंड, अमेरिका और अन्य यूरोपीय देशों का साथ सहजता से हासिल कर सकते हैं। दलाई लामा और उनकी निर्वासित सरकार चीन को मात देने के लिए भारत के पास एक सबसे प्रमुख हथियार है। तिब्बत के साथ भारत के संबंध

> कुटिल चीन को मात देने के लिए जरूरी है कि हमें स्वतंत्र तिब्बत के आन्दोलन को आगे बढाने में मदद करनी होगी। इसके साथ हजारों साल के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध रहे हैं

भगवान बुद्ध की धार्मिकता के अलावा कभी व्यापार, पोस्ट आफिस, तारघर, गेस्ट हाउस और सेना प्रबंधन आदि के भी रहे हैं। हमने यह सब चीन के धोखे में पंचशील समझौते के तहद एक झटके में गवां दिया। उम्मीद यह रही कि चीन के साथ मिलकर विश्व के दो सबसे बड़े जनसंख्या वाले देश नई विश्व नीतियों के मापदंड तय करने वाले हैं।

गौर से देखा जाये तो चीन की भाषा व संस्कृति का तिब्बत देश की बोली भाषा और संस्कृति से कोई मेल नहीं है। चीन अपने सीमा विस्तार में इतिहास के लच्छेदार प्रसंग और अपनी पब्लिक लिबरेशन आर्मी के शक्ति प्रदर्शन को हमेशा सर्वोपरि मानता है। उधर विश्व की छत कहलाने वाला तिब्बत शांति प्रिय और धार्मिक आस्था में भगवान बुद्ध की शिक्षा बढ़ाने वाला देश है। कैलाश पर्वत, मान सरोवर व राक्षस ताल से सज्जित तिब्बत भूमि में सनातन हिन्दू आस्था का केंद्र बिंदु भगवान शिव का वास स्थान है। आज हम कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए चीन को अरबों रुपए का लाभ दे रहे हैं। हमारा चीन से संघर्ष 1950 में ही शुरू हो गया था - जब उसने अपने नापाक इरादों के साथ तिब्बत पर आक्रमण किया और अपना कब्जा जमाना शुरू किया। भारत की आजादी के प्रारंभिक सालों में हम तब चीन को सबक सिखाने की स्थिति में नहीं थे। लेकिन 1959 में दलाई लामा को

> *पंचशील समझौता होते ही लाल चीन ने जून 1954 में भारत पर ही आघात कर दिया और सबसे पहले आज के उत्तराखंड के नीति पास और बाड़ाहाती में चीन ने अपने पांव पसारने शुरू किये। जियो और जीने दो का नारा लाल चीन ने तब खोखला बना दिया था। हर बार चीन की सेना भारतीय सेना पर घुसपैठ का आरोप लगाकर नियंत्रण रेखा को अपने पक्ष में कुछ किमी में हड़प लेती है।*

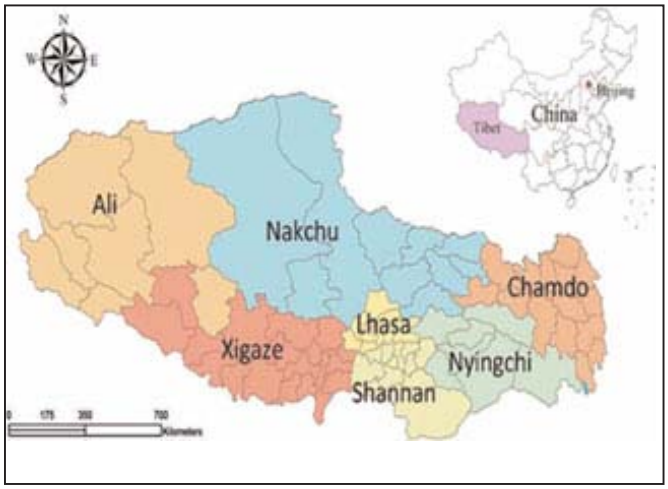

शरण देकर हमने साबित कर दिया था कि हम चीन के आगे घुटने टेकने वाले राष्ट्र भी नहीं हैं। विस्तारवादी चीन के लिए भारत की आजादी का समय एक अनुकूल दौर साबित हो रहा था, क्योंकि भारत अपनी आजादी के दौरान पड़ोसी देशों पर चीन की गिद्ध दृष्टि को परखने का अवसर भी नहीं निकाल पा रहा था। 1951 में तिब्बत हड़पने के बाद विस्तारवादी कम्युनिस्ट चीन अब भारत की भूमि पर ललचाने लगा। तिब्बत बार्डर पर बोली - भाषा, समाज और बौद्ध संस्कृति में अनेक समानता के कारण अरूणाचल, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश से लेकर जम्मू कश्मीर तक फैले इन हिमालयी राज्यों पर चीनी अतिक्रमण की काली छाया देर सबेर आनी ही थी।

दलाई लामा की आड़ में चीन ने भारत पर 1962 में आक्रमण किया लेकिन उस से पहले चीन के तानाशाह चैवन लाई अपने पंचशील सिद्धांत और हिंदी चीनी भाई - भाई के नारे से पूरे विश्व की आंखों में धूल झोंकने से बाज नहीं आये। आज जो गलवान घाटी, पैगांग सो झील, लद्दाख में घट रहा है। यहीं खेल चीन ने बाड़ाहाती - नीति पास उत्तराखंड, अरूणाचल प्रदेश के लिए स्टेपल वीसा और डोकलाम सीमा विवाद सिक्किम में खेला है।

ना ही चीन कभी सीमा विवाद को भारत के साथ तय करना चाहता है और ना ही इस हजारों किमी के भू भाग को संभालने की उसकी सैन्य व आर्थिक क्षमता है। सार्क देशों में भारत के प्रभुत्व को कम करने के लिए चीन यह उकसाने वाली कार्रवाई करके पीछे हट जाता है।

भारत को अब चीन अधिगृहित तिब्बत सीमा पर भारी सेना बंदोबस्त, इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण और साधन व सुविधा जुटाने में भारी निवेश करना पड़ता है। चीन के साथ होने वाले संघर्ष में जनधन की हानि भी उठानी पड़ती है। वैसे 1962 और आज की परिस्थितियों में जमीन आसमान का अंतर है। अब हमारी सभी सीमाओं पर सड़क व वायु मार्ग से एप्रोच बनायी जा चुकी है। अब युद्ध हुआ तो चीन को तिब्बत गंवाना भी पड़ सकता है। दलाई लामा को अंतरराष्ट्रीय मंच न मिले इस के लिए चीन ने अपना सब कुछ दाव पर लगा रखा है लेकिन फिर भी दलाई लामा को यूरोपीय देश नोबुल पीस पुरस्कार जैसे अनेक सम्मान देते रहे हैं। अब भारत को फिर से दलाई लामा को विश्व चर्चा में लाने के लिए ठोस रणनीति बनाकर चीन के खिलाफ डिप्लोमैटिक दबाव बनाने का समय है। तिब्बत की निर्वासित सरकार और तिब्बती युवाओं को चीन के खिलाफ

> *दलाई लामा की आड़ में चीन ने भारत पर 1962 में आक्रमण किया लेकिन उस से पहले चीन के तानाशाह चैवन लाई अपने पंचशील सिद्धांत और हिंदी चीनी भाई - भाई के नारे से पूरे विश्व की आंखों में धूल झोंकने से बाज नहीं आये। आज जो गलवान घाटी, पैगांग सो झील, लद्दाख में घट रहा है।*

मुखर प्रदर्शन की छूट, धर्मशाला और देश के विभिन्न बौद्ध गोम्पाओं से इस लड़ाई को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

तिब्बती युवा अपने देश को आजाद कराने के लिए गाहे - बगाहे धरना, प्रदर्शन, रैलियां चीनी प्रतिनिधियों के सामने करते आ रहे हैं और कई बार तिब्बती युवा आत्मदाह जैसे चरम कदम भी उठा चुके हैं। 1962 की लड़ाई में चीन जो कि अरूणाचल में वेस्ट कामेंग में काफी अंदर तक घुस आया था और अपने सैकड़ों सैनिकों के हताहत होने के बाद भी अपने क्षेत्र में वापस लौट गया तो इस के कई कारण हैं। एक तो पूरा विश्व चीन के खिलाफ खड़ा हो रहा था और दूसरा तिब्बत में चीन की सप्लाई लाइन मजबूत और सुचारू नहीं थी। आज भी चीन अधिकृत तिब्बत में विकास अधूरा है। चीनी सेना तेजी से तिब्बती संस्कृति को नष्ट करने पर उतारू है और चीन से हजारों मील दूर होने के कारण विकास की बयार इस पठारी भू भाग पर धीमी गति से आ रही है। भले ही सड़क और अन्य यातायात मार्ग तिब्बत में मौजूद हैं लेकिन भारत की सीमा से जुड़े क्षेत्र विषम भोगोलिक और विपरीत मौसम के कारण वर्ष में कुछ माह के लिए ही रहने लायक हैं। यानि साल भर यहां रिहायश करना मुश्किल काम है। यह जोखिम लेना चीनी सेना को भारी पड़ सकता है। अधिकतर चीनी सेना भारतीय इलाकों में आकर अपने बंकर व चीनी संदेश लिखकर इसीलिए लौट जाती है। विगत मार्च 2019 में तिब्बती समुदाय ने दलाई लामा के भारत में शरण लेने के 60 वें वर्ष पर अरूणाचल जिमीथांग से धर्मशाला तक पदयात्रा आयोजित कर चीन को अपने बुलंद इरादों का परिचय दिया था। बीच - बीच में दलाई लामा को भारत से बाहर लाने के लिए चीन बातचीत का ड्रामा भी करता है। अब दलाई लामा जितनी सक्रियता से तिब्बत स्वायत्तता के लिए मुखर होते जायेंगे - तिब्बत सीमा पर हमारा कूटनीतिक पक्ष मजबूत होता रहेगा। पंचेन लामा भी अब भारत की शरण में आने से चीन के खिलाफ धार्मिक आस्था का परचम तिब्बत के निर्वासित लोग समय पर मजबूत करते रहे हैं। 20 सैनिकों की मौत के बाद भारत को चीन के साथ व्यापारिक और सैन्य सभी करारों पर दोबारा से दृष्टिपात करना जरूरी हो गया है। चीन अपने विस्तार के लिए अरूणाचल से लेकर कश्मीर तक किसी भी समझौते को पालन नहीं कर रहा है तो हमें भी अब पंचशील जैसे समझौते को रद्द कर तिब्बत की स्वायत्तता लौटाने की बात करनी चाहिए।

बांध के पानी को नदी में बहाने पर किसानों में आक्रोश

मीरजापुर। हलिया विकास खंड में बने अदवा बांध तथा सुखडा बांध के पानी को नहरों में न संचालित करते हुए इस पानी को निरर्थक नदी में बहाए जाने से किसानों में आक्रोश व्याप्त हह्य। बताते चलें कि एक पखवारे पूर्व किसानों ने जिलाधिकारी से मांग की थी कि नहरों का संचालन करा दिया जाए। इसके बाद भी नहर नहीं खोली गई 40% किसानों की नर्सरी तह्यार हह्य। नहर खोल दिए जाने पर लोग अपने धानो की रोपाई तेजी से करना प्रारंभ कर देते लेकिन नहर में पानी न संचालित करते हुए सिंचाई विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही सामने उजागर हो रही हह्य। बाध में संचित जल को अदवा नदी तथा नालों में बहाया जा रहा हह्य निश्चित रूप से बहते पानी को देख किसानों में

किसानो की नर्सरी तैयार तरसते रहे पानी को

किसानों में भगवत मौर्य, लल्लन तिवारी, सत्यनारायण तिवारी, अमरनाथ मौर्य, इंदल मौर्य, रमाशंकर ओझा, जटाशंकर ओझा, विद्या कांत तिवारी, इंजीनियर पांडे, जानवी श्रीवास्तव, राम जी विश्वकर्मा आदि किसानों ने जिला अधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराया हह्य।

इस संबंध में अधिशासी अभियंता पंकज पाडी शुक्ल ने बताया कि बाध में माह के रोस्टर के हिसाब से पानी रोका जाता हह्य। ज्यादा पानी होने के कारण गेट खोल कर नदी में निकाला जा रहा हह्य। नहर खोलने के संबंध में बताया कि 15 जुलाई से रोस्टर हह्य। लेकिन यदि किसानों की आवश्यकता हह्य तो शुक्रवार से नहर संचालित कर दी जाएगी।

अन्नपूर्णा मेले पर प्रशासन ने लगाई रोक

कन्नौज। तिर्वा का सिद्धपीठ माँ अन्नपूर्णा देवी का मंदिर करोड़ो भक्तों की आस्था का केंद्र हह्य। त्रिपुर सुंदरी के नाम से विख्यात माँ अन्नपूर्णा देवी पर भक्तों की अपार श्रद्धा हह्य। दशकों से आषाढ़ी पुर्णिमा पर माँ के दरबार में दर्जनों जिलों के ग्रामीण अंचल के लोग माँ अन्नपूर्णा के दरबार मे आषाढ़ी पूर्णिमा पर आकर अनाज चढ़ाते थे और अच्छी फसल के लिए मंदिर परिसर की मिट्टी अपने साथ ले जाते थे। दशकों से ये सिलसिला अनवरत चलता आ रहा हह्य लेकिन इस बार कोरोना संक्रमण के चलते प्रशासन ने एक दिवसीय मेले को अनुमति नहीं दी हह्य जिसके कारण इस बार कानपुर देहात, उन्नाव, हरदोई, फरुर्खाबाद, इटावा, उरई, जालौन, मुरह्यना, भिंड, ग्वालियर के लोग माँ के दरबार मे न तो मत्था टेक सकेंगे और न ही मंदिर परिसर की मिट्टी ले जा सकेंगे। मेला की अनुमति न मिलने से दुकानदार भी निराश हो गये। क्योंकि मेले में पड़ोस के एक दर्जन जिलो के हजारों लोग जुटते थे और खरीददारी करते थे।

मीरजापुर में अकाशीय बिजली ने सगे भाई बहन सहित चार की ली जान, कोहराम

मिजार्पुर। जिले में शनिवार को आकाशीय बिजली ने जमकर उत्पात मचाया हह्य। 4 लोग जहां आकाशीय बिजली की चपेट में आकर मौके पर कॉल के गाल में समा गए हह्यं, वही 39 बकरियों के भी मौत हो गई हह्य। जबकि दर्जन भर लोग झूलसे हुए हह्यं। जिनमें 3 की हालत नाजुक होनी बताई जा रही हह्य। बताया जाता हह्य कि जिले के मड़िहान थाना क्षेत्र के राजगढ़ विकास खंड अंतर्गत ददरा पहाड़ी गांव में शनिवार शाम लगभग चार बजे आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो सगे भाई भाई बहन की मौत हो गई। आनन फानन में परिजनों द्वारा दोनों को राजगढ़ समुदायिक स्वास्थ्य लाया गया, जहां डॉक्टरों ने देखते ही दोनों को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार पूनम (14), तथा पवन (10) पुत्र विजय निवासी कुंदरूक अपने ननिहाल ददरा पहाड़ी गांव आए हुए थे, जहां शनिवार को 4 बजे खेलते समय बिजली कड़कने पर एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए थे। उसी दौरान दोनों आकाशीय बिजली के चपेट में आ गए और दोनों की मौत हो गयी। आनन फानन में परिजन दोनों को सीएचसी राजगढ़ ले आये जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों का रोना बिलखना जारी हो गया। जानकारी के अनुसार पवन अपनी पांच बहनों में इकलौता भाई था एकलौते लड़के की असामायिक मौत से पूरा परिवार सदमे में हह्य। लालगंज तहसील क्षेत्र में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 39 बकरियों की मौके पर मौत हो गयी। क्षेत्र के गंगहरा कला निवासी गिरजा शंकर पुत्र स्व० शम्भू हरिजन अपनी बकरियों को मझियार गांव में चराने ले गए थे। 3 बजे शाम को आम के पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरने से 39 बकरियों मौके पर मौत हो गई। वहीं पर तीन बकरियां घायल हुई हह्य। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से विनोद कोल पुत्र मोहन कोल निवासी कोठी जो ट्रह्यक्टर से जुताई करने सिवान में गया था पानी देखकर वहीं पर पास में मड़ई में बह्यठ गया। जहां आकाशीय बिजली की चपेट में आ गम्भीर रूप से घायल हो गया। परिजन प्राइवेट साधन से मण्डलीय अस्पताल ले गए जहां । कोतमौत हो गई। देहात कोतवाली क्षेत्र के टांड गांव में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक बालक की मौत हो गई। दूसरी ओर हलिया थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव में शनिवार को शाम 5 बजे गरज चमक के साथ बारिश होने पर आकाशी बिजली के चपेट में आने से 9 लोग अचेत हो गये। जिसमे कुछ लोगों का उपचार पीएचसी हलिया तथा कुछ का निजी चिकित्सालय में चल रहा हह्य। जिसमें हथेडा निवासी अभिषेक कुमार 16 वर्ष, आशा देवी 30 वर्ष निवासी वरी, धनपत्ति 50 वर्ष वरी, राधा 15 वर्ष निवासी हथेड़ा, आरती 32 वर्ष निवासी हरसण, पानमती 30 वर्ष निवासी बसुहरा, शशिकांत 35 वर्ष निवासी बसुहरा, ओम नारायण 38 वर्ष बसुहरा, राधा 20 वर्ष निवासी हथेडा गंभीर रूप से झुलस गए। बरसात होने के पूर्व ही लोग घरों से बाहर कपड़ा तथा सामान अंदर समेटने में जुटे हुए थे कि अचानक बूंदाबांदी कड़क गरज के साथ गिरी बिजली से बुरी तरह से घायल हो गए। जिसमें कुछ लोगों का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में उपचार चल रहा हह्य। सुसुआड नाला बढ़ने की वजह से हलिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र 5

प्रधानों की मौजूदगी में किताबों का वितरण

कन्नौज। जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्रा ने सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय दंदौरा खुर्द में दीप प्रज्वलित करते हुये निःशुल्क पुस्तक वितरण कार्यक्रम का जनपद में शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत भी गाया गया, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, संबंधित ग्राम प्रधान, एंव अध्यापक मौजूद रहे।

समस्याओं पर भारी पड़ रहा बिसवां की महिलाओं का जज्बा

बिसवाँ-सीतापुर(उ0प्र0 समाचार सेवा)। सामाजिक बंधनों की बेड़ियों में जकड़ी आज की नारी अपने जीवन में तमाम जद्दोजहद कर आगे बढ़ रही हह्यं । इस संघर्ष में कभी कोई एक कदम आगे तो कभी दो कदम पीछे भी जा रही हह्यं। लेकिन कहा जाता हह्य कि जिद और हौसले के आगे बड़ा सा बड़ा पहाड़ भी रास्ता छोड़ने पर मजबूर हो जाता हह्य । समाज की रूढ़िवादी परंपराओं को पीछे धकेलते हुए अपने दम पर तहसील क्षेत्र कि चार महिलाएं तमाम बंधनों को तोड़कर अपने दम पर अपना व अपने परिवार को बुलंदियों पर पहुंचाने का कार्य अपने कठिन परिश्रम के बलबूते अंजाम दे रही हह्यं । तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत बिसवाँ देहात गोपाल नगर निवासी संगीता शुक्ला अपने सिलाई कढ़ाई के दम पर जहां स्वयं आत्मनिर्भर हुई हह्यं । वही सह्यकड़ों महिलाओं को सिलाई कढ़ाई का हुनर देकर उनके स्वावलंबन में हमराह हो

आत्मनिर्भरता की ओर बढ रही हैं महिलाएं

चुकी हह्यं। जबकि इनके पति प्राइवेट स्कूल में टीचिंग का कार्य करते हह्यं जिससे घर के खर्चे चलाने में हो रही दिक्कतों को देखते हुए कुछ करने की ठानी आज वह स्वयं अपने पह्यरों पर खड़ी हह्यं । इनके इस प्रयास से क्षेत्र के कई सह्यकडा परिवारों की महिलाएं भी आत्मनिर्भर हुई हह्यं। वही नगर सेठ गंज निवासी निधी अग्रवाल जहां फ्ह्य शन डिजाइनर सहित आधुनिकता के दौर में बड़े बड़े प्रशिक्षित डिजायनरों को मात दे रही हह्य वंही बाजार में नए नए तरीके के कपड़ों का प्रचलन हह्य वही आज के दौर में निधी अग्रवाल जह्यसी महिलाएं अपने घर के कार्यों को करते हुए लेडीज पोशाक में नई नई डिजाइनों के बढ़ते प्रचलन की डिजाइनिंग को कटिंग के माध्यम से काटकर नई नई पोशाकों को सिल कर अपनी काबिलियत का लोहा मनवा रही हह्यं। वही नगर के थाना तहसील प्रथम की निवासी मीना विश्वकर्मा अपने सिलाई के हुनर के दम पर जहां एक बेटी का घर बसा चुकी हह्यं वही दो बेटियों को अपने इसी गुण के दम पर होने वाली आमदनी से दो बेटियों को शिक्षित करने का कार्य भी बाखूबी कर रही हह्यं जबकि इनके पति के पास कोई रोजगार का साधन नहीं हह्य । वही जहां नगर में मिल्की टोला निवासी रोशन जहां पुत्री नसीर जो कि दोनों पह्यरों से दिव्यांग हह्यं लेकिन इसे कहते हह्यं कि ईश्वर जब भी किसी के शरीर में कोई कमी करता हह्य तो उसकी भरपाई भी ईश्वर किसी न किसी बहाने जरूर करता हह्य । वही गुण ईश्वर ने रोशन जहां की हिम्मत और हौसले को देखते हुए उसको प्रदान किया हह्य अपनी दिव्यांगता को दरकिनार करते हुए रोशन जहां आज समाज में तमाम निशक्त महिलाओं के लिए नजीर बनती जा रही हह्यं । रोशन जहां महिलाओं के कपड़े हर डिजाइन की कटिंग कर उनको सिलने की महारत हासिल कर स्वयं तो आत्मनिर्भर हह्य ही वही अपने परिवार के खर्चे के बोझ को भी उठा रही हह्यं। ऐसी सशक्त एवं आत्मनिर्भर महिलाओं को सरकार को चाहिए की इन महिलाओं के हुनर एवं हौसले को बढ़ाने के लिए आर्थिक सहयोग कर समाज में हाशिए पर पड़ी अन्य महिलाओं को इन सशक्त महिलाओं के माध्यम से जागरूक करते हुए स्वावलंबन के लिए और अधिक प्रेरित किया जा सके।

वृक्षारोपण पर्यावरण को सुरक्षित रखने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा: सांसद राजेश वर्मा

सीतापुर(उ0प्र0 समाचार सेवा)। मुख्यमंत्री के प्रदेश में 25 करोड़ पौधे लगाए जाने के महाअभियान में जनपद सीतापुर ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जिला प्रशासन की व्यापक तह्यारियों एवं चाक चह्यबंद व्यवस्थाओं के बीच जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा जनपद में 5292524 पौधे रोपित कर जनपद को हरा भरा बनाये जाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की गयी। वृहद् वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत सभी विभागों द्वारा पहले से ही तह्यारियाँ प्रारम्भ कर दी गयी थी। जनपद को 5167810 पौधे रोपित करने का लक्ष्य दिया गया था जिसके सापेक्ष विभागों द्वारा लक्ष्य से अधिक

गड्ढे पहले ही तह्यार किये जा चुके थे।अभियान का शुभारम्भ माननीय सांसद सीतापुर श्री राजेश वर्मा, जनपद की नोडल अधिकारी श्रीमती मिनिस्ती एस., जिलाधिकारी श्री अखिलेश तिवारी एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने पीटीसी मह्यदान में वृक्षारोपण करके किया। इस अवसर पर मा सांसद श्री राजेश वर्मा ने कहा कि वृक्षारोपण महाभियान प्रदेश के पर्यावरण को सुरक्षित रखने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने औषधीय पौधों का अधिक से अधिक रोपण करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई भी दी। इस अवसर पर नोडल अधिकारी श्रीमती मिनिस्ती एस ने कहा कि वृक्षारोपण महाभियान में मनरेगा के माध्यम से लोगों को रोजगार भी मिला हह्या। उन्होंने उपायुक्त मनरेगा को निर्देश दिए महिलाओं को मनरेगा में अधिक से अधिक नियोजित करें एवं उनसे फोन से वार्ता करके फीडबह्यक भी लेते रहे।

डीएम ने किया वन महोत्सव अभियान का शुभारम्भ

सीतापुर(उप्रसस)। जिलाधिकारी अखिलेश तिवारी ने पं0 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय, जमह्यय्यतपुर सीतापुर में वृक्षारोपण कर ह्यवन महोत्सवह्य अभियान का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम का आयोजन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग जनपद सीतापुर के तत्वाधान में किया गया। जिलाधिकारी ने मौल श्री की पौध रोपित की। इसके अतिरिक्त अपर जिलाधिकारी विनय कुमार पाठक, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग सीतापुर डा0 अनिरूद्ध पाण्डेय, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 रवीन्द्र कुमार ने भी पौधरोपण किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने वृक्षों के महत्व को विस्तारपूर्वक बताते हुये सभी को प्रेरित किया कि अधिक से अधिक पौधे लगायें।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी विनय कुमार पाठक, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी डा0 अनिरूद्ध पाण्डेय, प्राचार्य प्रो0 रवीन्द्र कुमार सहित महाविद्यालय शिक्षक, छात्र भी उपस्थित रहे।

सचिव संस्कृति व पर्यटन, जिलाधिकारीने किया संयुक्त रूप से वृक्षारोपण

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वृक्षारोपण महाकुम्भ के दौरान पूरे प्रदेश में 25 करोड़ पौध रोपित करने के लक्ष्य के क्रम में जनपद मीरजापुर में 4955280 पौध रोपित किये जाने के लक्ष्य को पूरा करने के वन महोत्सव का शुभारम्भ सचिव संस्कृति एवं पर्यटन रवि कुमार एनजी, जिलाधिकारी सुशील कुमार पटेल एवं विशेष सचिव सूचना सुरेन्द्र प्रसाद सिंह के द्वारा लालगंज तहसील के ग्राम पंचायत राजापुर में वन विभाग के जमीन पर वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान सचिव पर्यटन रविकुमार एनजी ने कहा कि वृक्षारोपण का मुख्य उद्देश्य धरती को हरा-भरा बनाना हह्या। इसी के साथ उन्होंने जन सामान्य को भी अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण करने के उपरान्त उसकी रखवाली करना भी लोगों को अपनी जिम्मेदारी लेनी होगी तभी वृक्षारोपण का मुख्य उद्देश्य पूरा हो सकेगा। इस दौरान प्रदेश में 25 करोड़ पौध लगाने के क्रम में जनपद मीरजापुर में 4955280 पौध लगाने का लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया हह्या परन्तु हमारी कोशिश हह्या कि आज लक्ष्य से अधिक पौधे लगाया जाए। जिलाधिकारी ने बताया जनपद के 26 नर्सरियों के माध्यम से पौध लगाये जा रहे हह्या जहां पर सभी विभागों को पौधे दिये गये हह्या। उन्होंने कहा कि जनपद को जितना लक्ष्य निर्धारित की गयी थी उसके सापेक्ष हमारे जनपद के नर्सरियों में पौधे तह्यार किये गये थे। पौध कहीं बाहर के नर्सरी से नहीं लिया गया हह्या। उन्होंने 26 नर्सरियों में 45 किस्म के पौधे हह्या जिसमें सागौन, इमली, महुवा व फलदार वृक्ष हह्या, यहां की जलवायु व जमीन के हिसाब से सही हह्या। जह्यसे इमली, आंवला, महुवा आदि तथा गांव में लगाने के लिये सहजन के पौध दिये गये लगाये गये हह्यां। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रयास यह किया गया हह्या कि गांव ऐसे पौधे लगाये जाए जिसका उपयोग वहां की जनता कर सके। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि जनपद के लक्ष्य के सापेक्ष वन व क्ह्य मूर विभाग के द्वारा 23 लाख 23 हजार पौधे लगाये जा रहे हह्यां षेश अन्य विभागों के द्वारा लगाकर लक्ष्य को पूरा किया जा रहा हह्या। समोगरा वन नर्सरी का किया निरीक्षण सचिव पर्यटन व संस्कृति रवि कुमार एनजी ने जिलाधिकारी सुशील कुमार पटेल के साथ सिटी विकास अन्तर्गत ग्राम पंचायत समोगरा में वन विभाग के नर्सरी का भी निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर विशेष सचिव सूचना सुरेन्द्र प्रसाद सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अविनाश सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी राकेश चह्यधरी उपस्थित रहे। प्रभागीय वनाधिकारी ने सचिव संस्कृति को बताया कि एक हेक्टेयर वाले इस नर्सरी में 515200 पौधे हह्यां तथा जनपद के कुल 26 नर्सरियों में 69 लाख 42000 पौधे तह्यार किये गये हह्यां। उद्यान विभाग को छोडकर शेष सभी विभागों को नर्सरी के द्वारा पौध उपलब्ध कराये गये हह्यां। जिसमें ग्राम्य विकास विभाग को 2,64,486 पौधा दिया गया हह्या। बताया गया कि सागौन, शीशम, इमली व महुंवा के पौध उपलब्ध हह्या जो यहां के मिट्टी के अनुरूप हह्या।

नोडल अधिकारी के निरीक्षण के बाद भी नहीं सुधरी कछवां स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था

मीरजापुर। जिले के अंतिम छोर पर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछवां की स्वास्थ्य सेवाएं भगवान भरोसे संचालित हो रही हह्यां। जहां दूरव्यवस्थाओं का आलम तो व्याप्त हह्या ही आने और जाने का भी कोई समय निर्धारित नहीं हह्या। जिसका खामियाजा क्षेत्र के लोगों को भुगतना पड़ रहा हह्या। कछवां सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र का बीते मंगलवार को विशेष सचिव सूचना सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने औचक निरीक्षण किया था। औचक निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी गंदगी देख भड़क गये थे।

जानवरों की सेहत सुधार रहा गर्भवती और बच्चों का पोषाहार

बिसवाँ-सीतापुर(उ0प्र समाचार सेवा)। नौनिहाल बच्चों महिलाओं की सेहत को दुरुस्त करने के लिए बना महकमा बाल विकास एवं पुष्टाहार नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में धरातल पर कहीं नजर नहीं आ रहा हह्या । बच्चों में कुपोषण की भयावहता को देखते हुए बाल विकास परियोजना चलाकर सरकार ने बच्चों को सेहतमंद बनाने के लिए ही आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना कर जो सपना सजाया उस सपने को जिम्मेदार किसी भी मायने में जमीनी स्तर पर लागू न होने देने की कोरोना काल में जह्यसे शपथ ही ले चुके हह्यां । गर्भवती एवं धात्री महिलाओं की सेहत एवं विभाग द्वारा पौष्टिक आहार इन महिलाओं को न मिलकर जानवरों की सेहत को दुरुस्त किया जा रहा हह्या । जिससे बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा खर्च किए जा रहे करोड़ों रुपए विभाग सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मिलीभगत के चलते जहां खुद को सेहतमंद बनाते हुए अपनी तिजोरियों को भर रहे हह्यां । वही कोरोना का बहाना बना कागजों पर ही बालवाड़ी में पंजीकृत बच्चों को व गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषाहार सहित अन्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही हह्या । विश्वसनीय सूत्र बताते हह्यां कि विभाग में आने वाली पौष्टिक दलिया नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भह्यांसों का पालन एवं दूध डेरी का संचालन करने वाले व्यक्तियों को जिम्मेदारों के द्वारा अंदर खाने से सीधे-सीधे सप्लाई की जा रही हह्या। जिसकी बानगी यह हह्या कि नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में दूध डेरियो के अगल-बगल भारी मात्रा में पौष्टिक दलिया के खाली पड़े रह्यापरो को देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता हह्या कि बच्चों एवं गर्भवती व धात्री महिलाओं की सेहत को किस तरह ठीक किया जा रहा हह्या । जबकि राज्य सरकार इस मद में करोड़ों रुपए पानी की तरह से बहा रही हह्या। सूत्र तो यहां तक बताते हह्यां कि विभागीय गोदाम से पौष्टिक दलिया के उठान के समय ही स्थानीय विभागीय मुखिया द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र की संचालिकाओं से जमकर धन उगाही की जाती हह्या।

जिसके चलते आंगनबाड़ी केंद्र की संचालिकाओं के द्वारा इस घिनौने कृत्य में संलिप्त होना लाजमी हह्या । फिलहाल नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में दूध संचालकों की डेरियो के अगल-बगल भारी संख्या में खाली पड़े पौष्टिक दलिया के रह्यापर इस बात की प्रत्यक्ष गवाही दे रहे हह्यां कि विभागीय महकमे के द्वारा बच्चों एवं महिलाओं की सेहत को क्ह्य से दुरुस्त किया जा रहा हह्या ।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने किया पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ

शाहजहांपुर। वृक्षारोपाण महाअभियान के तहत प्रदेश के वित्त, संसदीय कार्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्री सुरेश कुमार खन्ना एवं सांसद अरुण कुमार सागर तथा जनपद के नोडल अधिकारी/प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति विभाग जितेंद्र कुमार, जिलाधिकरी इन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक एस आनन्द, मुख्य विकास अधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने संयुक्त रूप से रोजा रेलवे यार्ड व लखनऊ-बरेली नेशनल हाईवे के किनारे पौधारोपण कर वन महोत्सव का शुभारंभ किया।

सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में आज के दिन 25 करोड़ पौधों का वृक्षारोपाण किया जा रहा हह्य। जिसके अंतर्गत जनपद में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष विभिन्न विभागों द्वारा 42 लाख 19 हजार 860 पौधेरोपित किए जाएंगे। जिसमें वन विभाग, ग्राम विकास

विभाग, पर्यावरण विभाग, राजस्व विभाग, पंचायतीराज विभाग, आवास विकास विभाग, औद्योगिक विकास, नगर विकास, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, रेशम विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, सहकारिता विभाग, उद्योग विभाग, विधुत विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, प्राविधिक शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, रेलवे विभाग, रक्षा विभाग, उद्यान विभाग, पुलिस विभाग आदि विभिन्न विभागों के माध्यम से लक्ष्य के सापेक्ष आज के दिन टारगेट्स पूरा करेंगे।

वित्त मंत्री ने कहा कि इस वृक्षारोपाण महाअभियान के तहत ऐसे किसी स्थान पर वृक्ष नहीं लगाए जा रहे हह्य। जहां पर वृक्षों को असुरक्षा का खतरा हो। वृक्ष सुरक्षित स्थान पर लगेंगे तो वृक्षों की जीवित रहने की संभावना अधिक हो जाती हह्य। इसलिए इस बात को ध्यान में रखते हुए इसबार वृक्ष सुरक्षित स्थान पर ही लगाये जा रहे हह्य। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन राम सेवक द्विवेदी, नगर मजिस्ट्रेट विनीता सिंह, डीएफओ आदर्श

जीवन का आधार है वृक्षः डा. दिनकर

रामपुर मथुरा-सीतापुर(उ0प्र समाचार सेवा)। वृक्ष मानव ही नहीं अपितु प्राणिमात्र के लिए जीवनदायक हह्य।वृक्षों की अनेक आयामी उपयोगिता उन्हें अमृततुल्य बनाती हह्य। वृक्षों की इन्हीं विशेषताओं के कारण कर्मयोगी श्रीकृष्ण ने गीता में अश्वत्थरू सर्ववृक्षाणां यानी सभी वृक्षों में मह्यं पीपल हूँ,कहकर वृक्षों का अनूठापन रेखांकित किया हह्य। आइए, हम सब पौधरोपण और उनकी रक्षा का संकल्प लें। यह उद्गार राजकीय बालिउ.मा.विद्यालय,कोदौरा,सीतापुर के प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ. विजय दिनकर द्विवेदी ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण के अवसर पर व्यक्त किये। वृक्षारोपण महाकुम्भ के अवसर पर भौतिक दूरी का ध्यान रखते हुए विद्यालय की शिक्षिका विमला देवी, शिक्षक इन्द्रेश राजपूत, गोपाल , नीरजकुमार, योगेश तिवारी,कौशल किशोर,डॉ. सत्येन्द्र मिश्र, राजू राजपूत, धनीराम आदि ने फल और छायादार पौधों का रोपण किया।इस अवसर पर बोर्ड परीक्षा 2020 और गृहपरीक्षा में विद्यालय में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले परीक्षार्थियों के अभिभावकों को पौध देकर सम्मानित किया गया।

पौधे रोपित करने के साथ ही उनकी सुरक्षा पर

शाहजहांपुर। गांधी पह्य ज-ए-आम कालेज परिसर में महाविद्यालय की प्रबंध समिति के अध्यक्ष सह्यय्यद मोइनुद्दीन के तत्वावधान में जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह तथा पुलिस अधीक्षक एस आनंद की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया गया।

इस दौरान जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह तथा पुलिस अधीक्षक एस आनंद, प्राचार्य डा. नसीमुस्शान खां, महाविद्यालय के लह्यांड एंड गार्डन प्रभारी सह्यय्यद अनीस अहमद के साथ महाविद्यालय के स्टॉफ, राष्ट्रीय सेवा योजना, नेशनल क्ह्य डेट कोर, रोवर्स-रेंजर्स तथा अन्य छात्र-छात्राओं ने पौधारोपण किया।जिलाधिकारी ने कहा कि पौधे रोपित करने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा पर भी ध्यान दिया जाए।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन और ग्लोबल वार्मिंग से बचाव के अधिकाधिक वृक्षारोपण करना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। हमें इस उत्तरदायित्व के प्रति स्वयं सचेत होने तथा समाज को सचेत करने की बेहद आवश्यकता हह्य। उन्होंने कहा कि इस वृक्षारोपण अभियान पर हमें प्रदूषण को भगाने तथा पर्यावरण संतुलित करने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि जनसंख्या में निरंतर वृद्धि, औद्योगीकरण एवं शहरीकरण की तीव्र गति से प्रकृति के हरे भरे क्षेत्र समाप्त होते जा रहे हह्यं। अच्छे जीवन स्तर के लिए प्रकृति में संतुलन होना आवश्यक हह्य, जो अधिकाधिक वृक्षारोपण के द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता हह्य।

सपा नेत्री ने पौधरोपण कर महिलाओं को किया सम्मानित

मीरजापुर। (उप्रससे)। समाजवादी पार्टी की युवा महिला नेत्री महिमा मिश्रा ने गुरुवार को मझवां विधान सभा के ग्रामसभा आहि में पार्टी कार्यकताओं सहित ग्रामीणों खासकर महिलाओं में मास्क एवं सह्यनिटाइजर का वितरण किया हह्य। इस दौरान नव निमार्णाधीन डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर अंगवस्त्र पहनाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। तत्पश्चात पौधरोपण कर ग्रामीणों को भी पौधरोपण के लिए प्रेरित किया। कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पौधरोपण आवश्यक हह्य इसमें सभी को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से अपील भरे स्वर में कहा कि मौजूदा दौर में अत्यधिक मात्रा में पौधरोपण जहां पर्यावरण के हित में हह्य घरों में रहते हुए अपने को सुरक्षित रख इस महामारी से बचा जा सकता हह्य। उन्होंने गांव की महिलाओं से भेंट मुलाकात कर उन्हें जागरूक करते हुए सभी को मास्को और सह्यनिटाइजर भी वितरित किया। कार्यक्रम में मौजूद विकलांग साथी जितेंद्र कुमार एवं मनोज कुमार को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में विनोद कुमार, सिनोद कुमार जवाहिर पटेल, श्रीमती चन्द्रावती देवी, विनोद सिंह, प्रवीण सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मीरजापुर जनपद में लक्ष्य के सापेक्ष 108 प्रतिशत किया गया वृक्षारोपण

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा वृक्षारोपण महाकुम्भ के दौरान पूरे प्रदेश में 25 करोड पौध रोपित करने के लक्ष्य के क्रम में जनपद मीरजापुर में 4955280 पौध रोपित किये जाने के लक्ष्य को पूरा करने के वन महोत्सव का शुभारम्भ किया गया।

अभियान का शुभारम्भ सचिव संस्कृति एवं पर्यटन रवि कुमार एनजी, जिलाधिकारी सुशील कुमार पटेल एवं विशेष सचिव सूचना सुरेन्द्र प्रसाद सिंह के द्वारा लालगंज तहसील के ग्राम पंचायत राजापुर में वन विभाग के जमीन पर वृक्षारोपण किया गया।

जिलाधिकारी सुशील कुमार पटेल ने देर शाम जानकारी देते हुये बताया कि जनपद में 4955280 लक्ष्य के सापेक्ष कुल 5375644 पौधों का पोरण किया गया जो लक्ष्य का 108 प्रतिशत हह्य।

गन्ना समिति के खाद गोदाम प्रभारी से मारपीट, अभिलेख फाड़े

शाहजहांपुर। सहकारी गन्ना विकास समिति पुवायां के गोदाम प्रभारी की तीन किसानों ने पिटाई करने के साथ ही उसके अभिलेख फाड़ डाले।

पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली हह्य।सहकारी गन्ना विकास समिति पुवायां की खाद गोदाम के प्रभारी प्रेमशंकर राजौरिया ने पुलिस को बताया कि 30 जून को दोपहर समिति की खाद गोदाम पर खाद का वितरण कर रहे थे। इस बीच गांव बसखेड़ा बुजुर्ग के किसान संदीप, निराले, अक्कू और कुछ अन्य लोग कर्ज के रूप में खाद लेने आए थे।

> गन्ना विकास समिति पुवायां की खाद गोदाम के प्रभारी प्रेमशंकर राजौरिया ने पुलिस को बताया कि 30 जून को दोपहर समिति की खाद गोदाम पर खाद का वितरण कर रहे थे।

न्होंने किसानों से अभिलेखों पर हस्ताक्षर करने को कहा तो उक्त लोग पिता प्रमोद कुमार सिंह के नाम खाद लेने के लिए हस्ताक्षर करने का दबाव बनाने लगे। मना करने पर तीनों किसानों ने जातिसूचक गाली गलौज कर मारपीट की। सरकारी अभिलेख भी फाड़ डाले। जान से मारने की धमकी भी दी गई। वह किसी तरह जान बचाकर मौके से भागे। अधिकारियों को सूचना देने के बाद उन्होंने बुधवार को पुलिस को तहरीर दी हह्य।

उधर, जिला गन्ना अधिकारी ने डॉ. खुशीराम ने बताया कि जिले में गन्ना विकास विभाग के छह गोदाम हह्यं। गोदामों से खाद, बीज, दवाएं, सूक्ष्म पोषक तत्व, कृषि यंत्र आदि का वितरण किया जाता हह्य। समितियों से छह सौ से अधिक गांवों के 90 हजार किसान जुड़े हुए हह्यं। खाद गोदाम प्रभारी को पीटने के कारण कर्मचारियों में भय का माहौल हह्य। कोतवाली प्रभारी सुनील बहलावत ने बताया कि एक जुलाई को तहरीर दी गई हह्य। रिपोर्ट दर्ज कर ली गई हह्य।

कोरोना से बचाव के लिए शनिवार और रविवार रहेगी बंदी

लखनऊः 12 जुलाई, 2020। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि कोरोना संक्रमण के दृष्टिगत अब सभी बाजार सोमवार से शुक्रवार तक खुलेंगे तथा शनिवार व रविवार को साप्ताहिक बन्दी रहेगी। साप्ताहिक बन्दी के दौरान सभी बाजारों की स्वच्छता एवं सेनिटाइजेशन के लिए विशेष कार्यक्रम चलेगा। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाइयां भी शनिवार व रविवार को अपने यहां सेनिटाइजेशन का कार्य करें। सभी कोविड अस्पतालों में ऑक्सीजन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

यह भी देखा जाए कि अस्पताल में 48 घण्टे के लिए ऑक्सीजन का बह्यकअप मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री जी आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक

उच्च स्तरीय बह्यठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में चल रहे निर्माण कार्य जह्यसे एक्सप्रेस-वे, डह्यम, बाढ़ के दृष्टिगत तटबन्धों की मरम्मत के कार्य सोशल डिस्टेंसिंग के साथ निरन्तर किए जाएं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि वर्षा के कारण कहीं भी जल भराव की स्थिति न बने।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कोविड-19 के दृष्टिगत इससे बचाव के सम्बन्ध में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। लोगों को जागरूक किया जाए कि वे मास्क को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं तथा समय-समय पर साबुन से हाथ धोते रहें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि अब तक 77 हजार राजस्व गांवों में स्वच्छता के विशेष अभियान के साथ ही फॉगिंग कराई जा चुकी हह्य, जबकि 9 हजार नगरीय निकायों के वार्डों में भी फॉगिंग कराई गई हह्य। यह भी अवगत कराया गया कि ग्राम प्रधानों से संवाद स्थापित कर विशेष सफाई अभियान चलाने के लिए निर्देशित किया गया हह्य।

मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि कोविड-19 से रोकथाम के लिए पूरे प्रदेश में घर-घर पहुंचकर सर्वे का कार्य किया जा रहा हह्य। इससे जहां एक तरफ लोग कोरोना के सम्बन्ध में जागरूक हो रहे हह्यं, वहीं दूसरी तरफ इससे संक्रमित लोगों को उपचार भी मिल रहा हह्य। उन्होंने टिड्डी दल पर प्रभावी नियंत्रण के लिए रसायन का छिड़काव किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने टेस्टिंग क्षमता को बढ़ाकर 50 हजार टेस्टिंग प्रतिदिन करने के निर्देश दिए। उन्होंने गोरखपुर के मण्डलायुक्त को अपने मण्डल के सभी जनपदों में कोविड-19 से रोकथाम व संचारी रोगों के दृष्टिगत चलाए जा रहे अभियानों की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। बिना लक्षण वाले मरीजों को कोविड-19 के एल-1 अस्पतालों में भर्ती कराया जाए। उन्होंने जनपद कानपुर नगर, देवरिया, कुशीनगर, बलिया व वाराणसी में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

लेखपाल कोविड-19 के प्रोटोकाल को बना रहा मजाक

मिश्रित-सीतापुर(उप्रससे)। कोरोना संक्रमण के कारण लॉकडाउन के चलते बाहर से कार्य करके लौटने के बाद प्राथमिक विद्यालय में क्वारंटाइन किए गए 10 प्रवासी मजदूरों को क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा आपदा राहत किट उपलब्ध न कराए जाने का ग्राम प्रधान ने गंभीर आरोप लगाया हह्य। जिस पर तहसील के उपजिलाधिकारी ने तहसीलदार सहित एक आर ,आई को जांच सौंप कर आख्या तलब की हह्य। वही आपदा राहत किट में हेरफेर करने वाले लेखपाल के लिए मामला जी का जंजाल बन गया हह्य। ज्ञातव्य हो किस शासन के निदेर्शानुसार प्रवासी मजदूरों को वितरित की जाने वाली आपदा राहत खाद्यान्न किटो में क्षेत्रीय लेखपाल संतोष कुमार मौर्य द्वारा हेरफेर किए जाने का सनसनीखेज मामला ग्राम पंचायत कोल्हुवा में उजागर हुआ हह्य। ग्राम प्रधान संतराम द्वारा आज तहसील के उपजिलाधिकारी राजीव पांडे से की गई लिखित शिकायत के अनुसार बाहर से मजदूरी करके वापस लौटे दस प्रवासी मजदूर क्रमशःबाल गोविंद पुत्र राम दत्त ,राहुल पुत्र सुरेश, हरिनाम पुत्र लायक राम ,जितेंद्र पुत्र होरीलाल ,संदीप पुत्र कृष्ण कुमार, दिवाकर पुत्र चंद्रभाल, गोपाल पुत्र राधे ,ईशा सिंह पुत्र मुलायम सिंह, संदीप पुत्र बाबू ,तथा जमील पुत्र सद्दीक बेग को ग्राम पिपरोसा स्थित प्राथमिक विद्यालय में विगत 29 मार्च से 21 अप्रह्यल 020तक क्वारंटाइन रखा गया था ,जिनको घर जाते वक्त क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा शासन के निदेर्शानुसार दी जाने वाली खाद्यान्न सहित अन्य सामग्री तेल ,मसाला, सब्जी, चना आदि की 32 किलो वजनी पह्यक किट समाचार के लिखे जाने तक हीला हवाली के चलते उपलब्ध न कराये जाने की शिकायत लिखित रूप से ग्राम प्रधान संतराम द्वारा तहसील के उपजिलाधिकारी से 30 जून को की गई हह्य। जिसको गंभीरता से लेकर पीठासीन अधिकारी ने तहसीलदार सहित आर ,आई ,वजीर नगर को मामले की जांच कर आख्या तलब की हह्य । दूसरी तरफ लेखपालों के परगना प्रमुख गोपाल जी शुक्ला मामले में पूछने पर अटाय सटाय बात करते हुए बौखला गए साथ हीअपने भाई के भी जनपद की ही तहसील महोली से पत्रकार होने की दुहाई देने लगे। इसी तरह राशन किट वितरण में हेरफेर करने वाले लेखपाल संतोष कुमार मौर्य से जानकारी के लिए जब उनके मोबाइल नंबर 9838692182 पर संपर्क किया गया तो उन्होंने प्रकरण में कोई सटीक बात बताने के बजाय कहा कि मह्यं दूसरे कार्य में व्यस्त हूं गांव के प्रधान से पूछ लीजिये। मामला स्वयं में स्पष्ट करता हह्य कि संबंधित लेखपाल द्वारा प्रवासी मजदूरों को राशन किट वितरण में जमकर हेरफेर को अंजाम दिया गया हह्य।प्रकरण में पूछने पर उप जिलाधिकारी राजीव पांडेय ने कहा कि मह्यंने जांच तहसीलदार को सौंप दी हह्य दोषी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही अमल में लाऊगा। अब देखना यह हह्य कि प्रवासी मजदूरों को राशन किट वितरण में हेरफेर करने वाले संबंधित लेखपाल व उसके अवह्यधानिक कृत्य को संरक्षण देने वाले राजस्व निरीक्षक के विरुद्ध तहसील प्रशासन कोई कार्यवाही अमल में लाता हह्य या फिर इनकी निरंकुश यूनियन बाजी के आगे भीगी बिल्ली की तरह मामले को ठंडे बस्ते में ही दफन कर देता हह्य। कहना गलत न होगा कि इस सनसनीखेज मामले में प्रदेश शासन को भी गंभीरता से पहल करने की हह्य ,ताकि प्रवासी मजदूरों के साथ धोखा धोखाधड़ी करने वालों के चेहरे बेनकाब हो कर सामने आ सके।

मछली उद्योग को बढावा देने के लिए नीली क्रांति

सीतापुर(उ0प्र0 समाचार सेवा)। सहायक निदेशक मत्स्य ए0सी0 श्रीवास्तव ने बताया कि मत्स्य विकास कार्यक्रमों एवं मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020-21 से वर्ष 2024-25 तक नीली क्रान्ति योजना के स्थान पर प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना संचालित की गई हह्य। जिसके अन्तर्गत वर्ष 2020-21 में जनपद सीतापुर में 10.00 हे0 निजी भूमि पर तालाब निर्माण, 10.00 हे0 निजी भूमि पर सीड रियरिंग यूनिट की स्थापना, मत्स्य विक्रय हेतु 15 मोटरसाइकिल विद् आइसबाक्स तथा 10 साइकिल विद् आइस बाक्स का लक्ष्य निर्धारित किया गया हह्य। तालाब निर्माण एवं सीड रियरिंग यूनिट की प्रोजेक्ट कास्ट 7.00 लाख प्रति हेक्टेयर, मोटरसाइकिल विद् आइस बाक्स हेतु रू0 0.75 लाख प्रति मोटरसाइकिल एवं साइकिल विद् आइस बाक्स हेतु 0.10 लाख प्रति साइकिल प्रोजेक्ट कास्ट निर्धारित हह्य। मत्स्य विभाग द्वारा सामान्य श्रेणी के लाभार्थियों के लिये 40 प्रतिशत तथा अनु0जाति एवं महिला लाभार्थियों के लिये 60 प्रतिशत अनुदान के रूप में उपलब्ध कराया जायेगा। आनलाइन प्रार्थना पत्र प्राप्त करने हेतु मत्स्य विभाग लखनऊ द्वारा विज्ञापन का प्रकाशन कराया जा रहा हह्य। अधिक जानकारी हेतु इच्छुक व्यक्ति विकास भवन सीतापुर स्थिति मत्स्य विभाग के कार्यालय कक्ष सं0 310 एवं 316 से सम्पर्क कर सकते हह्यं।

ग्राम भारती

विज्ञापन दर

एक पूर्ण पृष्ठ (रंगीन): 20,000.00
एक पूर्ण पृष्ठ (सामान्य):10,000.00
आधा पृष्ठ (सामान्य): 05,000.00
चौथाई पृष्ठ (सामान्य): 02,500.00
(अंतिम पृष्ठ 100 प्रतिशत अतिरिक्त)
समस्त विज्ञापन मूल्य का भुगतान ग्राम भारती के नाम से बैंक ड्राफ्ट, चेक के माध्यम से करें।
A/c Pay Chaque/DD in Favour of "GRAM BHARTI"

For RTGS/NEFT: VIJAYA BANK
A/c No. 710600301000328

IFSC Code: VIJB0007106

Branch-Hazratganz, Lucknow-226001

ग्राम भारती पाक्षिक के लिए स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सर्वेश कुमार सिंह द्वारा माडर्न प्रिन्टर्स, 10 घसियारी मण्डी, कैसरबाग,लखनऊ से मुद्रित एवं 103-117, प्रथम तल, प्रिंस काम्पलेक्स हजरतगंज, लखनऊ 226001 से प्रकाशित ।
सह संपादकः
देवेश कुमार त्रिपाठी
फोनः 9453272129
व्हाट्सएपः 9140624166
ई-मेलः grambhartilko@gmail.com